अलीराजपुर के प्रवासी मजदूरों का प्राथमिक सर्वेक्षण

मध्य प्रदेश के अलीराजपुर जिले से पलायन कर दूसरे जिलों या राज्यों में प्रवासी मजदूरी के लिए जा रहे जनजातीय नागरिकों की पारिवारिक एवं प्रवास संबंधित विशेषताओं की जानकारी प्राप्त करने हेतु एक प्रश्नावली सर्वेक्षण किया जा रहा है। इस सर्वेक्षण के तहत सन 2008 से प्रारम्भ कर दो वर्षों में जिले के कुल 5000 परिवारों का सर्वेक्षण करना है। पहले वर्ष में जिले के सबसे बड़ा अलीराजपुर तहसील के 2528 परिवारों का सर्वेक्षण किया जा चुका है। सन 2009 में जोबट एवं भाभरा तहसील के 2504 परिवारों का सर्वेक्षण किया गया है एवं वर्तमान प्रतिवेदन में इन परिवारों से प्राप्त जानकारी का प्राथमिक विश्लेषण प्रस्तुत किया जा रहा है।

1. शोधविधि

इस वर्ष अलीराजपुर जिले के जोबट एवं भाभारा तहसीलों के तीन विकास खण्डों में यह सर्वेक्षण किया गया है। यह विकास खण्ड है भाभरा, जोबट एवं उदयगढ़। जिन गांवों को सर्वेक्षण के लिए चुना गया है उनमें सभी परिवारों का सर्वेक्षण किया गया है ताकि कुल जनसंख्या में से कितने लोग पलायन कर रहे है इसका पता लग सके। सर्वेक्षण हेतु प्रयोग किए गए प्रश्नावली प्रतिवेदन के अंत में संलग्न है। वर्तमान में कुल पंद्रह गांवों के 2504 परिवारों का संरक्षण किया गया है जिनका विवरण सारणी 1 में दर्शाया गया है। यद्यपि वर्तमान में सोण्डवा विकास खण्ड से तीन गांव अधिक सर्वेक्षित हुआ है अंततः सभी विकास खण्डों से समान रूप से सर्वेक्षण किया जाएगा। सर्वेक्षण के कार्य में क्षेत्र के शिक्षित आदिवासी युवकों को नियुक्त किया गया था ताकि वे इस प्रक्रिया में कुशलता प्राप्त कर सके। यह ध्यान रखा गया है कि छोटे–बड़े सभी प्रकार के गांव का सर्वेक्षण हो एवं प्रति विकास खण्ड से करीब करीब एक तिहाई परिवार सर्वेक्षित हो। जोबट विकास खण्ड के गांव अपेक्षाकृत रूप से छोटे है इसलिए इनकी संख्या ज्यादा है।

सारणी 1 : विकास खण्ड व ग्राम अनुसार सर्वेक्षित परिवारों का वितरण – कुल परिवार संख्या 2528

भाभरा								
	बड़ा भावटा	भाभरा	खुशी	पोची इमली	रोलीगांव			**कुल**
संख्या	222	77	125	169	303			**896**
प्रतिशत	8.87	3.08	4.99	6.75	12.10			**35.78**
जोबट								
	बड़ा गुड़ा	चोमड़–खड़ा	छोटी खट्टाली	जाली	काली केतर	खट्टाली	खेरवा	सिंदगा	किला जोबट	**कुल**
संख्या	119	78	100	86	103	165	124	49	40	**864**
प्रतिशत	4.75	3.12	3.99	3.43	4.11	6.59	4.95	1.96	1.60	**34.50**
उदयगढ़								
	बोरझर	छोटा इटारा	देकलकुआ	हरदासपुर	टेमाची			**कुल**
संख्या	146	124	105	183	186			**744**
प्रतिशत	5.83	4.95	4.19	7.31	7.43			**29.71**

2. सर्वेक्षित नागरिकों की पारिवारिक विशेषताएं

2.1 परिवारों का जाति अनुसार वितरण सारणी 2 में दर्शाया गया है। 50.79 प्रतिशत परिवार भीलाला जनजाति के है जबकि भील जनजाति के परिवार 49.21 प्रतिशत है।

सारणी 2 : परिवारों का जातिगत वितरण

	संख्या	प्रतिशत
भील	1232	49.21
भीलाला	1272	50.79
कुल	2504	100.00

2.2 कुल जनसंख्या अनुसार परिवारों का वितरण सारणी 3 में दर्शाया गया है। सबसे अधिक 18.37 प्रतिशत परिवार 6 सदस्यों की है एवं 4 व इससे कम सदस्यों वाले परिवारों का अनुपात केवल 18.72 प्रतिशत है। प्रति परिवार औसत जनसंख्या 6.49 है। इस प्रकार परिवारों में सदस्य संख्या ज्यादा है।

सारणी 3 : कुल जनसंख्या अनुसार परिवारों का वितरण

कुल जनसंख्या	परिवार संख्या	प्रतिशत
1	13	0.52
2	80	3.19
3	125	4.99
4	251	10.02
5	403	16.09
6	460	18.37
7	402	16.05
8	321	12.82
9	211	8.43
10	106	4.23
11	66	2.64
12	41	1.64
13	9	0.36
14	11	0.44
15	1	0.04
16	1	0.04
17	1	0.04
18	1	0.04
21	1	0.04
कुल	2504	100.00

2.3 लिंग एवं आयु अनुसार जनसंख्या का वितरण सारणी 4 में दर्शाया गया है। कुल लिंग अनुपात 981 महिलाएं प्रति हजार पुरुष है जो सराहनीय है एवं वयस्कों का अनुपात कुल जनसंख्या में 49.05 प्रतिशत है जबकि बालक बालिकाओं का अनुपात 33.75 प्रतिशत है। यहां 18 वर्ष से अधिक आयु वालों को

वयस्क माना गया है, 13 से 17 वर्ष के आयु वालों को किशोर या किशोरी माना गया है एवं 2 से लेकर 12 साल के आयु वालों को बालक या बालिका माना गया है। **एकल परिवारों का अनुपात 55 प्रतिशत है यानी काफी मात्रा में संयुक्त परिवार है।**

सारणी 4 : लिंग व आयु अनुसार जनसंख्या का वितरण

	संख्या	प्रतिशत
वयस्क पुरुष	3976	24.48
वयस्क महिला	3992	24.58
किशोर	1059	6.52
किशोरी	1089	6.70
बालक	2828	17.41
बालिका	2655	16.34
पु शिशु	335	2.06
म शिशु	310	1.91
कुल पुरुष	8198	50.46
कुल महिला	8046	49.54
कुल	16244	100.00

2.4 साक्षरता दर – सभी आयु वर्गो को मिलाकर कुल साक्षर पुरुषों का अनुपात 13.25 प्रतिशत है एवं कुल साक्षर महिलाओं का अनुपात 8.77 है। कुल 68 प्रतिशत परिवार ऐसे है जिनमें एक भी सदस्य साक्षर नहीं है यानी इन परिवारों के बाल एवं किशोर वर्ग के सदस्य भी बड़ी मात्रा में शिक्षा ग्रहण नहीं कर रहे है।

3. सर्वेक्षित नागरिकों के प्रवासी मजदूरी की विशेषताएं

कुल परिवारों में से प्रवासी मजदूरी पर कम से कम एक बार जाने वाले परिवारों का अनुपात 82.2 प्रतिशत है जो कि बहुत अधिक है। औसतन प्रति परिवार दो व्यक्ति प्रवास पर जाते है।

3.1 परिवार में वयस्क पुरुष प्रवासी मजदूरों की संख्या अनुसार वितरण सारणी 5 में दर्शाया गया है।

सारणी 5 : परिवार में वयस्क पुरुष प्रवासी मजदूरों की संख्या अनुसार वितरण

वयस्क पुरुष प्रवासियों की संख्या	परिवार संख्या	प्रतिशत
0	683	27.28
1	1576	62.94
2	211	8.43
3	29	1.16
4	4	0.16
5	1	0.04
कुल	2504	100.00

सबसे अधिक 62.94 प्रतिशत परिवारों से केवल एक ही वयस्क पुरुष प्रवासी मजदूरी पर जा रहे है। 27. 28 प्रतिशत परिवार ऐसे है जिनमें एक भी वयस्क पुरुष प्रवास पर नहीं जा रहें है।

3.2 परिवार में वयस्क महिला प्रवासी मजदूरों की संख्या अनुसार वितरण सारणी 6 में दर्शाया गया है। परिवार में से केवल एक ही वयस्क महिला प्रवास पर जा रही है ऐसे परिवारों का अनुपात सबसे ज्यादा 50.84 प्रतिशत है। जिन परिवारों से एक भी वयस्क महिला प्रवास पर जा नहीं रहीं है ऐसे परिवारों का अनुपात 40.10 प्रतिशत है।

सारणी 6 : परिवार में वयस्क महिला प्रवासी मजदूरों की संख्या अनुसार वितरण

वयस्क महिला प्रवासियों की संख्या	परिवार संख्या	प्रतिशत
0	1004	40.10
1	1273	50.84
2	183	7.31
3	34	1.36
4	7	0.28
5	3	0.12
कुल	2504	100.00

3.3 परिवार में किशोर प्रवासी मजदूरों की संख्या अनुसार वितरण सारणी 7 में दर्शाया गया है। एक बार फिर परिवार में से केवल एक ही किशोर प्रवास पर जा रहा है ऐसे परिवारों का अनुपात सबसे अधिक है। परंतु कुल किशोर प्रवासियों का अनुपात बहुत कम केवल 12.98 प्रतिशत है क्योंकि कुल जनसंख्या में किशोरो का अनुपात कम है।

सारणी 7 : परिवार में किशोर प्रवासी मजदूरों की संख्या अनुसार वितरण

किशोर प्रवासियों की संख्या	परिवार संख्या	प्रतिशत
0	2179	87.02
1	253	10.10
2	61	2.44
3	10	0.40
4	1	0.04
कुल	2504	100.00

3.4 परिवार में किशोरी प्रवासी मजदूरों की संख्या अनुसार वितरण सारणी 8 में दर्शाया गया है। किशोरों के जैसे ही किशोरी प्रवासियों की संख्या भी कम है।

सारणी 8 : परिवार में किशोरी प्रवासी मजदूरों की संख्या अनुसार वितरण

किशोरी प्रवासियों की संख्या	परिवार संख्या	प्रतिशत
0	2179	87.02
1	258	10.30
2	55	2.20
3	9	0.36
4	3	0.12
कुल	2504	100.00

3.5 परिवार में बालक प्रवासी मजदूरों की संख्या अनुसार वितरण सारणी 9 में दर्शाया गया है। कुल बालक प्रवासी वाले परिवारों का अनुपात केवल 2.72 है जो तुलनात्मक रूप से सराहनीय है।

सारणी 9 : परिवार में बालक प्रवासी मजदूरों की संख्या अनुसार वितरण

बालक प्रवासियो की संख्या	परिवार संख्या	प्रतिशत
0	2436	97.28
1	65	2.60
2	3	0.12
कुल	2504	100.00

3.6 परिवार में बालिका प्रवासी मजदूरों की संख्या अनुसार वितरण सारणी 10 में दर्शाया गया है। कुल बालिका प्रवासी वाले परिवारों का अनुपात केवल 3.92 है जो तुलनात्मक रूप से सराहनीय है।

सारणी 10 : परिवार में बालिका प्रवासी मजदूरों की संख्या अनुसार वितरण

बालिका प्रवासियों की संख्या	परिवार संख्या	प्रतिशत
0	2456	98.08
1	42	1.68
2	6	0.24
कुल	2504	100.00

3.7 लिंग व आयु अनुसार प्रवासी जनसंख्या का वितरण सारणी 11 में दर्शाया गया है। कुल जनसंख्या में प्रवासी मजदूरों का अनुपात 30.96 प्रतिशत है। कुल पुरुषों में से प्रवासियों का अनुपात 32.88 प्रतिशत है जबकि कुल महिलाओं में से प्रवासियों का अनुपात 29.03 प्रतिशत है। कुल वयस्क पुरुषों में प्रवासियों का अनुपात सबसे अधिक 52.97 प्रतिशत है। 44.69 प्रतिशत वयस्क महिलाएं, 38.62 प्रतिशत किशोर एवं 37.46 प्रतिशत किशोरी, 2.51 प्रतिशत बालक व 2.03 प्रतिशत बालिकाएं प्रवासी मजदूरी करते है। इससे स्पष्ट हो जाता है कि परिवारों की प्रवासी मजदूरी पर निर्भरता कितनी अधिक है।

सारणी 11 : लिंग व आयु अनुसार प्रवासी जनसंख्या का वितरण

	संख्या	प्रतिशत
वयस्क पुरुष	2106	52.97
वयस्क महिला	1784	44.69
किशोर	409	38.62
किशोरी	408	37.46
बालक	71	2.51
बालिका	54	2.03
कुल पुरुष	**2586**	**32.88**
कुल महिला	**2246**	**29.03**
कुल	**4832**	**30.96**

3.8 परिवार में आप्रवासियों का अनुपात अनुसार वितरण सारणी 12 में दर्शाया गया है। 30 से 40 प्रतिशत प्रवासी मजदूर वाले परिवारों का अनुपात सबसे अधिक 21.24 प्रतिशत है। 30 प्रतिशत या उससे अधिक अनुपात में प्रवासी वाले परिवारों का अनुपात 49.52 प्रतिशत है। यह आंकड़ा भी आजीविका के लिए परिवारों की प्रवासी मजदूरी पर अधिक निर्भरता को स्पष्ट करता है। एक प्रकार से प्रवासी मजदूरी के बिना ज्यादातर परिवारों का गुजारा ही नहीं हो सकता है। यह उल्लेखनीय है कि 137 परिवार ऐसे भी है जिनमें सभी सदस्य प्रवास पर जाते है।

सारणी 12 : परिवार में आप्रवासियों का अनुपात अनुसार वितरण

परिवार में प्रवासियों का अनुपात	संख्या	प्रतिशत
0	445	17.74
≤ 10.0	49	1.96
10.1 - 20.0	366	14.62
20.1 - 30.0	415	16.57
30.1 - 40.0	531	21.24
40.1 - 50.0	293	11.70
50.1 - 60.0	66	2.64
60.1 - 70.0	132	5.27
70.1 - 80.0	43	1.72
80.1 - 90.0	24	0.96
90.1 - 100	140	5.59
कुल	2504	100.00

3.9 परिवार के सदस्यों द्वारा वर्ष में कितने बार प्रवास किया गया है उसके अनुसार वितरण सारणी 13 में दर्शाया गया है। केवल एक ही बार प्रवास में जाने वाले परिवारों का अनुपात सबसे अधिक 78.67 प्रतिशत है। जबकि दो बार प्रवास पर जाने वाले परिवारों का अनुपात 3.39 प्रतिशत है एवं तीन बार प्रवास पर जाने वाले परिवारों का अनुपात 0.16 प्रतिशत है।

सारणी 13 : परिवार के सदस्यों द्वारा वर्ष में कितने बार प्रवास किया गया है उसके अनुसार वितरण

वर्ष के दौरान किए गए प्रवास संख्या	परिवार संख्या	प्रतिशत
0	445	17.77
1	1970	78.67
2	85	3.39
3	4	0.16
कुल	2504	100.00

3.10 प्रवास की बारी अनुसार प्रवास के मौसम का वितरण सारणी 14 में दर्शाया गया है। सबसे अधिक प्रवास ठंड के मौसम में होता है यानी अकटूबर से फरवरी माह के बीच में। सभी बारियों को मिलाकर

करीब 65 प्रतिशत परिवार इसी मौसम में प्रवास पर जाते है क्योंकि अलीराजपुर के ज्यादातर खेत एक फसली होने के कारण इस समय अधिकतर लोग तुलनात्मक रूप से फुरसत में होते है। 6.31 प्रतिशत परिवार खेतों में भागीदार बनकर एक साल या ज्यादा समय के लिए प्रवास पर चले गए है।

सारणी 14 : प्रवास की बारी अनुसार प्रवास के मौसम का वितरण

	पहली बारी		दूसरी बारी		तीसरी बारी	
मौसम	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
बरसात	589	28.61	24	28.24	2	50.00
गरमी	1	0.00	0	0.00	1	25.00
ठंड	1339	65.03	61	71.76	1	25.00
साल भर	130	6.31	0	0.00	0	0.00
कुल	2059	100.00	85	100.00	4	100.00

3.11 प्रवास की बारी अनुसार प्रवास की समयावधि का वितरण सारणी 15 में दर्शाया गया है। विश्लेषण के सुविधा हेतु पहले आधे महीने के बाद एक महीने का समय अंतराल को लिया गया है एवं इससे कम या ज्यादा अवधि को राउंड ऑफ किया गया है। तीनों बारियों को मिलाकर करीब 70 प्रतिशत परिवार तीन महीने या उससे अधिक समय के लिए प्रवास किए है जिससे एक बार फिर स्पष्ट होता है कि प्रवासी मजदूरी अलीराजपुर के आदिवासियों के आजीविका के लिए कितना महत्वपूर्ण है। एक तरह से ठंड के मौसम में गांव वीरान जैसा ही हो जाता है क्योंकि ज्यादातर परिवारों से लोग लम्बे समय के लिए प्रवास पर गए होते है।

सारणी 15 : प्रवास की बारी अनुसार प्रवास की समयावधि का वितरण

समयावधि महीने में	पहली बारी		दूसरी बारी		तीसरी बारी	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
0.5	524	25.45	37	43.53	2	50.00
1	38	1.85	2	2.35	2	50.00
2	25	1.21	4	4.71	0	0.00
3	89	4.32	8	9.41	0	0.00
4	201	9.76	5	5.88	0	0.00
5	453	22.00	21	24.71	0	0.00
6	508	24.67	3	3.53	0	0.00
7	8	0.39	2	2.35	0	0.00
8	50	2.43	2	2.35	0	0.00
9	33	1.60	1	1.18	0	0.00
≥12	130	6.31	0	0.00	0	0.00
कुल	2059	100.00	85	100.00	4	100.00

3.12 प्रवास की बारी अनुसार प्रवास का स्थल का वितरण सारणी 16 में दर्शाया गया है। सबसे अधिक प्रवास सौरष्ट्र क्षेत्र के जिलों के लिए हुआ है जहां कुल परिवारों का करीब 82 प्रतिशत गए है। इसके अलावा मध्य एवं दक्षिण गुजरात में भी लोग प्रवास किए है। लगभग 90 प्रतिशत परिवार गुजरात में प्रवास किए है जबकि केवल 0.8 प्रतिशत परिवार महाराष्ट्र एवं 7.2 प्रतिशत मध्य प्रदेश के अन्य जिलों में प्रवास किए है। मध्य प्रदेश में अधिकतम 4.2 प्रतिशत परिवार इंदौर जिले में प्रवास किए है।

सारणी 16 : प्रवास की बारी अनुसार प्रवास का स्थल का वितरण

	पहली बारी		दूसरी बारी		तीसरी बारी	
स्थल	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
अहमदावाद	87	4.23	5	5.88	2	50.00
अमरेली	389	18.89	8	9.41	0	0.00
बड़ोदा	57	2.77	3	3.53	0	0.00
भावनगर	28	1.36	0	0.00	0	0.00
धार	62	3.01	5	5.88	0	0.00
धारोल	59	2.87	1	1.18	0	0.00
गोंडोल	134	6.51	2	2.35	0	0.00
इंदौर	86	4.18	9	10.59	0	0.00
जामनगर	116	5.63	3	3.53	0	0.00
जुनागढ़	18	0.87	0	0.00	0	0.00
झड़िया	8	0.39	0	0.00	0	0.00
कठीयावाड़	445	21.61	17	20.00	0	0.00
कोटा	15	0.73	2	2.35	0	0.00
लालपुर	3	0.15	1	1.18	0	0.00
महाराष्ट्र	16	0.78	3	3.53	0	0.00
मोरबी	24	1.17	1	1.18	0	0.00
नडियाड	21	1.02	2	2.35	0	0.00
पोरबंदर	33	1.60	1	1.18	0	0.00
राजकोट	415	20.16	20	23.53	1	25.00
सुरत	43	2.09	2	2.35	1	25.00
कुल	2059	100.00	85	100.00	4	100.00

3.13 प्रवास की बारी अनुसार प्रवास में किए गए कार्य का वितरण सारणी 17 में दर्शाया गया है। कुल मिलाकर 85 प्रतिशत परिवार कृषि कार्य के लिए ही प्रवास करते है जबकि 7 प्रतिशत परिवार निर्माण मजदूर का काम करते है। प्रवास के दौरान जुड़ाई मिस्त्री जैसा कुशल कार्य करने वाले परिवार 0.3 प्रतिशत ही है।

सारणी 17 : प्रवास की बारी अनुसार प्रवास में किए गए कार्य का वितरण

	पहली बारी		दूसरी बारी		तीसरी बारी	
कार्य	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
कृषि कार्य	1749	84.94	61	71.76	3	75.00
निर्माण कार्य	152	7.38	9	10.59	1	25.00
जुड़ाई मिस्त्री	6	0.29	1	1.18	0	0.00
कारखाना	110	5.34	5	5.88	0	0.00
हम्माली	28	1.36	8	9.41	0	0.00
पंक्चर सुधार	14	0.68	1	1.18	0	0.00
कुल	2059	100.00	85	100.00	4	100.00

3.14 प्रवास की बारी अनुसार प्रवास में प्राप्त मजदूरी का वितरण सारणी 18 में दर्शाया गया है। लगभग 90 प्रतिशत लोगों को 100 रु या उससे कम दैनिक मजदूरी प्राप्त है। परंतु क्योंकि अलीराजपुर में काम की कमी है एवं रोजगार गारंटी योजना में भी गत वर्ष 90 रु प्रति परिवार एक व्यक्ति को ही मिले थे एवं वह भी बहुत देरी से इसलिए लोग प्रवास पर जाने को मजबूर है। उल्लेखनीय है कि अनुपात में कम ही सही पर कुछ लोगों को 50 रु या उससे कम भी मजदूरी मिली है एवं इनका अनुपात 150 रु से अधिक मजदूरी पानेवालों से दो गुना है।

सारणी 18 : प्रवास की बारी अनुसार प्रवास में प्राप्त मजदूरी का वितरण

मजदूरी रुपए में	पहली बारी		दूसरी बारी		तीसरी बारी	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
≤ 50	82	3.98	3	3.53	0	0.00
51 - 75	1287	62.51	53	62.35	1	25.00
76 - 100	473	22.97	20	23.53	3	75.00
101 - 125	154	7.48	5	5.88	0	0.00
126 - 150	32	1.55	1	1.18	0	0.00
151 - 200	28	1.36	2	2.35	0	0.00
201 - 250	2	0.10	0	0.00	0	0.00
>251	1	0.05	1	1.18	0	0.00
कुल	2059	100.00	85	100.00	4	100.00

3.15 प्रवास का स्थान एवं कार्य अनुसार प्रवास में प्राप्त औसत दैनिक मजदूरी का वितरण सारणी 19 में दर्शाया गया है। सबसे अधिक मजदूरी सुरत में मिलती परंतु ज्यादातर लोग सौराष्ट्र में कृषि कार्य करने जाते है यद्यपि वहां मजदूरी कम है। कृषि कार्य में हालांकि मजदूरी निर्माण कार्य या हम्माली से

कम है पर इसमें मेहनत भी तुलनात्मक रूप से कम है एवं निवास व भोजन आदि की व्यवस्था अच्छी व खर्च कम है। आम तौर पर गुजरात में मध्य प्रदेश से अधिक मजदूरी मिलती है। हालांकि यह लोग लम्बी अवधियों के लिए प्रवास करते है परंतु इन्हें हर रोज काम नहीं मिल पाता है इसलिए कुल कमाई अनिश्चित रहती है।

सारणी 19 : प्रवास का स्थान एवं कार्य अनुसार प्रवास में प्राप्त औसत दैनिक मजदूरी का वितरण

स्थल	कार्य					
	कृषि कार्य	निर्माण कार्य	जुड़ाई मिस्त्री	कारखाना	हम्माली	पंक्चर सुधार
अहमदावाद	70	110	300	100	110	
अमरेली	70					
बड़ोदा	90	110		120		
भावनगर	70					
धार	70	100		100		
धारोल	80					
गोंडोल	80					
इंदौर	100	120		100	130	
जामनगर	80					
जुनागढ़	80	110				
झड़िया	80					
कठीयावाड़	70	120				
कोटा						100
लालपुर	80					
महाराष्ट्र	80					
मोरबी	70					
नडियाड	90					
पोरबंदर	80	100	250			
राजकोट	80					
सुरत		120	250	130		

4. <u>कठिनाईयां</u>

समयाभाव के कारण कठिनाईयों के बारे में हर सर्वेक्षित परिवार से विस्तृत जानकारी नहीं एकत्रित हो पाई है और इसलिए इसका सांख्यिकी विश्लेषण नहीं हो सकता है। पर सरसरी तौर पर निम्न बातें उभर कर आई है –

1. प्रवासियों को किसी भी प्रकार की कानूनी जानकारी नहीं है एवं इस वजह से श्रमिक एवं प्रवासियों के लिए उपलब्ध सारी सरकारी सुविधाओं एवं कानूनी संरक्षण से यह वंचित है। कई

बार इन्हें करार किया गया मजदूरी के अनुसार किया गया काम के लिए भुगतान नहीं हो पाता है। इसके अलावा इन्हें पुलिस एवं अन्य सरकारी कर्मचारियों द्वारा परेशान किया जाता है। कई बार झूठे अपराधिक प्रकरण भी इनके विरुद्ध दर्ज कर दिए जाते है।

2. निवास के लिए इन्हें मकान उपलब्ध नहीं होता है इसलिए इन्हें कार्यस्थल पर ही जैसे तैसे रहना पड़ता है। शहरों में काम करने वालों को इंधन, पीने का पानी एवं शौच को लेकर बहुत समस्याएं होती है।
3. महिलाओं का दैहिक शोषण के मामले अकसर घटित होते है पर इसके खिलाफ कार्यवाही नहीं हो पाती है।
4. स्वास्थ्य खराब होने पर इन्हें वापस अलीराजपुर लौटकर आना पड़ता है क्योंकि गुजरात में इलाज नहीं हो पाता है।

5. निष्कर्ष

सर्वेक्षण से प्राप्त जानकारी का इस त्वरित विश्लेषण से निम्नलिखित महत्वपूर्ण निष्कर्ष प्राप्त होते है –

1. प्रवासी मजदूर सभी आदिवासी है एवं भीलाला व भील आदिवासियों का अनुपात करीब करीब बराबर है।

2. परिवारों की औसत सदस्य संख्या 6.49 है जो कि अधिक है एवं आजीविका के संसाधन इस तुलना में कम है। यह ही एक प्रमुख कारण है कि इन्हें प्रवासी मजदूरी पर जाना पड़ता है।

3. लिंग अनुपात ठीक है एवं एकल परिवारों का अनुपात 55 प्रतिशत है।

4. पुरुष साक्षरता दर 13.25 प्रतिशत है जबकि महिला साक्षरता दर 8.77 प्रतिशत है। कुल 68 प्रतिशत परिवार ऐसे है जिनमें एक भी व्यक्ति साक्षर नहीं है। इस प्रकार साक्षरता की स्थिति चिंताजनक है। अधिकतर लोग कृषि एवं अकुशल मजदूरी के अलावा और कुछ कर नहीं पाते।

5. कुल परिवारों में से प्रवासी मजदूरी पर जानेवाले परिवारों का अनुपात 82.2 प्रतिशत है। वयस्क पुरुषों में से 52.97 प्रतिशत, वयस्क महिलाओं में से 44.69 प्रतिशत, किशोरों में से 38.62 प्रतिशत, किशोरियों में से 37.46 प्रतिशत, बालकों में से 2.51 प्रतिशत एवं बालिकाओं में से 2.03 प्रतिशत प्रवासी मजदूरी पर जाते है। औसतन एक परिवार से दो व्यक्ति प्रवास पर जाते है। परिवार में से 30 या उससे अधिक प्रतिशत सदस्य प्रवास पर जाने वाले परिवारों का अनुपात 49.52 प्रतिशत है। इसी से आजीविका के लिए प्रवासी मजदूरी का महत्व स्पष्ट हो जाता है।

6. 78.67 प्रतिशत परिवार वर्ष में एक ही बार प्रवास करते है एवं 70 प्रतिशत परिवार तीन महीने या उससे अधिक अवधि के लिए प्रवास करते है। लगभग 65 प्रतिशत परिवार ठंड के मौसम में अकटूबर से फरवरी माह में प्रवास करते है। 3.39 प्रतिशत परिवार वर्ष में दो बार प्रवास करते है एवं 0.16 प्रतिशत परिवार वर्ष में तीन बार प्रवास करते है।

7. सबसे अधिक 82 प्रतिशत परिवार सौराष्ट्र क्षेत्र में प्रवास करते है जबकि कुल मिलाकर गुजरात में 90 प्रतिशत परिवार प्रवास करते है। मध्य प्रदेश में सबसे अधिक 5 प्रतिशत लोग इंदौर जिले में प्रवास करते है।

8. 85 प्रतिशत परिवार कृषि कार्य के लिए प्रवास करते है जबकि 7 प्रतिशत परिवार निर्माण कार्य के लिए जाते है। औसतन 90 प्रतिशत परिवार 100 रु या उससे कम दैनिक मजदूरी प्राप्त

करते है। कृषि कार्य में निर्माण कार्य से कम मजदूरी प्राप्त होती है। सबसे अधिक मजदूरी सुरत जिले में प्राप्त होती है औसत दैनिक मजदूरी 120 रु है।

उल्लेखनीय है कि इस व्यापक पैमाने पर प्रवासी मजदूरी होने पर भी शासन की ओर से इनके लिए कोई नीतिगत या कानूनी संरक्षण प्रदान नहीं किया जा रहा है। न ही राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना को सही ढंग से लागू किया जा रहा है ताकि लोगों को प्रवास पर जाना नहीं पड़े।